राष्ट्रीय योगिक कृषि अभियान का शुभारम्भ

कटक ता. २०-११-१० प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के ग्राम विकास प्रभाग की ओर से कटक विजुपट्टनायक छक स्थित शारला भवन में शाश्वत कृषि योगिक कृषि अभियान का शुभ उद्घाटन हो चुका है। इस उद्घाटन के अवसर में राज्यसभा सांसद शशीभुषण बेहेरा, राजेयागीनि ब्रह्माकुमारी सरला, राष्ट्रीय संयोजिका ग्राम विकाश एस.एस. नंद अद्धक्ष संप्रसारण शिक्षा उ.यु.टि, भुवनेश्वर, राजयागिनी ब्रह्माकुमारी कमलेश, बरिष्ठ सांम्बादिक ब्र.कु. अरुण कुमार पंडा, ब्र.कु. प्रफेसार किरण, ब्र.कु. सुलोचना, ब्र,कु, नथमल तथा ग्राम विकाश प्रभाग के सदस्य उपस्थित थे। मुख्य अतिथी भ्राता शशीभुषण बेहेरा जी अपने वक्तव्य में कहा अर्थनैतिक चाप से किसान कुल की रक्षा करने के लिए ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय का योगिक कृषि प्रणाली बहुत ही लाभदायक हो सकता है। मुख्य वक्ता राजयागिनी ब्र.कु. सरला एग्रीकलचर शब्द का बहुत ब्याख्यान करते हुए कहा एग्री माना श्रेष्ठ, कलचर माना संस्कृति। एग्रीकलचर का अर्थ हुआ श्रेष्ठ संस्कृति। हमाारा भारतवर्ष का श्रेष्ठ और प्राचीन संस्कृति है कृषि। कहा जाता था भारत देश में सोना उगलता था। पर आज देखने को मिलता सोना के बदले विष उगलता था। अनेक प्रकार के रासायनिक और कीटनाशक दवाई के प्रयोग से आज धरती माता की गोद जहरीली बन गई है। अधिक धन उपार्जन का लक्ष्य रखकर रासायनिक सार और कीटनाशक दवाई का प्रयोग करते चले। धीरे धीरे इसका प्रभाव हमारे प्रकृति और शरीर के उपर पडने लगा। हम अनेक प्रकार बिमारी के शिकार बनते गये पर आज समय की पुकार और परिवर्तन को सामने रखते हुए जैविक एवं यौगिक कृषि को समझते हुए ईश्वरीय विश्व विद्यालय ने यह नया कदम उठाया है और अनके मात्रा में सफलता को प्राप्त की है। योगिक कृषि प्रणाली के द्वारा हम धरती की उर्जा को बढा सकते है तथा अन्न में पौष्टिकता एवं उत्पादन में अभिबृद्धि लाकर देश की समृद्धि को बढा सकता है। ड: एस.एस. नन्द जी अपने भाषण में कहा रासायनिक सार प्रयोग से अनाज उत्पादन में पहले बृद्धि तो आती है परन्तु धीरे धीरे स्थिर हो जाता है या कम हो जाता है। वेज्ञानिक अनुसन्धान से पता चला है कि जैविक कृषि द्वारा धीरे धीरे हम अनाज की उत्पादन में बृद्धि हो सकता है और हम जमीन की उर्जा को वापस ला सकते है। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय का शाश्वत योगिक कृषि प्रणाली एक स्वागत येाग्य बात है। जैविक और कृषि प्रणाली दोनो के मिश्रण में हम कृषि क्षेत्र में आगे जा सकते है। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी कमलेश जी बोले श्रेष्ठ चरित्र के द्वारा हम देश की समृद्धि को वापस ला सकते हैं। श्रेष्ठ चरित्र के लिए श्रेष्ठ विचार की आवश्यकता है। गुजुराट मेहसाना वरिष्ठ राजयाग शिक्षिका ब्र.कु. किरण जी ने आभियान के लक्ष्य और उद्देश्य के बारे में सबको बताया। वरिष्ठ साम्बादिक ब्र.कु. अरुण कुमार पंडा वैदिक युग के अनेक उदाहरण के माध्यम से योगिक खेती के महत्व के बारे में बताया और योगिक खेती में रखने के लिए प्रोत्साहित किया। ब्र.कु. नथमल जी सबको शुभेच्छा दिये। इस कार्यक्रम में ब्र.कु. सुलोचना जी ने स्वागत भाषण व्यकत किया। पायल नृत्य एकाडेमी के शिशु कलाकारो ने नृत्य परिवेषण किया । ब्र.कु. अस्मिता ने मंच संचालन किया। कृषि अधिकारी देव प्रसाद दाश सबको धन्यवाद अर्पण किये। अंत में अतिथियों ने कलष, टोपि और झंडा द्वारा अभियात्रीयों को स्वागत किया। यह अभियान दिसम्बर २४ तक चालु रहेगा।